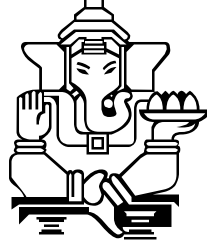


**SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI**



के। [ uee®esDece]Ke e®evns

	मेष	♂	मंगळ	अग्नि	चर	आडवा	वक्री
	वृषभ	♀	शुक्र	पृथ्वी	स्थिर	रेषांतिल	शत्रु-घर
	मिथुन	♀	बुध	वायु	द्विस्वभाव	pUkeA	मित्र-घर
	कर्क	☾	चंद्र	जल	चर	●*	अस्त
	सिंह	☉	सूर्य	अग्नि	स्थिर	↑	उच्च
	कन्या	♀	बुध	पृथ्वी	द्विस्वभाव	↓	नीच
	तुळ	♀	शुक्र	वायु	चर	+	मित्र
	वृश्चिक	♂	मंगळ	जल	स्थिर	-	शत्रु
	धनु	♃	गुरु	अग्नि	द्विस्वभाव	*	सम
	मकर	♃	शनि	पृथ्वी	चर	++	अधिमित्र
	कुंभ	♃	शनि	वायु	स्थिर	--	अधिशत्रु
	मीन	♃	गुरु	जल	द्विस्वभाव		

*Note : All Vimshotari and Ashtotari Dasa dates specify the ending dates of Dasa.*

*While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.*

**Module : DCP-5, Ayanamsa : CP**

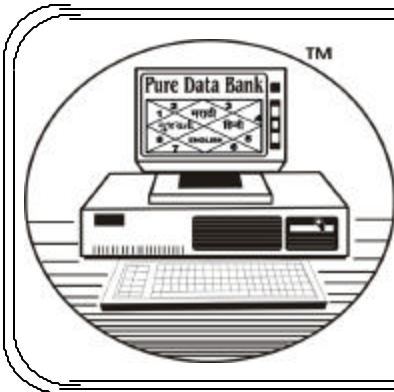
**SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI**



लिंग .....	: पुरुष	अयनांश .....	: 23:14:40
जन्म दिनांक .....	: 28/10/1955	सी.पी. / के.पी. ....	: CP
जन्म दिवस .....	: शुक्रवार	सूर्योदय .....	: 06:48:34
जन्म वेळ .....	: 20:58:00	सूर्यास्त .....	: 16:59:18
इष्टकाल (घटी) .....	: 35:23:34	शक संवत् .....	: 1877
स्थान .....	: SEATTLE/WASHINGTON		
देश .....	: USA	चंद्र राशी (पाया) .....	: मीन (तांब)
अक्षांश .....	: 047:35:N	राशी अक्षर .....	: द च ज थ
रेखांश .....	: 122:21:W	सूर्य राशी(पाश्चात्य) .....	: वृश्चिक
मध्य रेखांश .....	: -08:00	तिथी .....	: शुक्ल - 13
स्थानिक वेळ संस्कार .....	: -0:9:23	नक्षत्र .....	: उ.भाद्र(4)
स्थानिक वेळ .....	: 20:48:37	नक्षत्र अक्षर .....	: था
युद्ध वेळ संस्कार .....	: 00.00.00	नक्षत्र पाया .....	: तांबा
ग्रीष्म वेळ संस्कार .....	: 00.00.00	योग .....	: हर्षण
सांपत्तिक काल .....	: 23:15:38	करण .....	: तैत्तिल
अयन .....	: दक्षिण	ऋतु .....	: शरद
गोल .....	: दक्षिण	Module .....	: DCP-5
विंशोत्तरी भोग्यदशा .....	: शनि - 03 - 02 - 23	हिन्दु महिना (का.) .....	: 2011 - अश्विन
अष्टोत्तरी भोग्यदशा .....	: राहू - 09 - 06 - 04	हिन्दु महिना (चै) .....	: 2012 - अश्विन

*While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.*

"Maa Butbhavani Namah"



**PURE DATA BANK™  
COMPUTERISED HOROSCOPE & MUHURUTHA )**

13 NEW ABHAY APPT, OPP HANUMAN MANDIR  
MAHARANA PRATAP RD, BHAYANDAR (W) - 401101  
Tel : (91-22) 28193069 / 28192145 (M) 98202 00726

www.puredatabank.com  
E-mail : puredatabank@satyam.net.in

E-Kundli (763)

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

		Deej Me		Delle	
		ebveekra	mece <sup>3e</sup>	ebveekra	mece <sup>3e</sup>
राशी	कुंभ	25/10/1955	12:51	27/10/1955	19:54
	✓ ceeve	<b>27/10/1955</b>	<b>19:54</b>	<b>29/10/1955</b>	<b>23:18</b>
	मेष	29/10/1955	23:18	01/11/1955	00:26
तिथी	शुक्ल12	27/10/1955	05:51	28/10/1955	04:50
	✓ Mejele13	<b>28/10/1955</b>	<b>04:50</b>	<b>29/10/1955</b>	<b>03:07</b>
	शुक्ल14	29/10/1955	03:07	30/10/1955	00:49
नक्षत्र	पू.भाद्र	27/10/1955	02:00	28/10/1955	01:47
	✓ G. Yeeê	<b>28/10/1955</b>	<b>01:47</b>	<b>29/10/1955</b>	<b>00:50</b>
	रेवती	29/10/1955	00:50	29/10/1955	23:18
योग	व्याघात	27/10/1955	18:44	28/10/1955	16:26
	✓ n-eCe	<b>28/10/1955</b>	<b>16:26</b>	<b>29/10/1955</b>	<b>13:37</b>
	वज्र	29/10/1955	13:37	30/10/1955	10:23
करण	कौलव	28/10/1955	04:50	28/10/1955	16:04
	✓ lewle}	<b>28/10/1955</b>	<b>16:04</b>	<b>29/10/1955</b>	<b>03:07</b>
	गर	29/10/1955	03:07	29/10/1955	14:02

### mePeer<sup>3e</sup> JeUer (28/10/1955)

j eeMe	elleLeer	ve#e\$e	<sup>3e</sup> eeie	kelj Ce
मीन	शुक्ल 13	उ.भाद्र	व्याघात	कौलव

### DeJekra e e-e-e

योग	हर्षण
करण	तैतिल
वर्ण	ब्राह्मण
तत्व	वारि
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
योनि	गौ
गण	मनुष्य
युंजा	अंत्य
नाडी	मध्य

### leele e-e-e

राशी	मीन
मास	फाल्गुन
तिथी	5-10-15
दिवस	शुक्रवार
नक्षत्र	आरलेशा
योग	वज्र
करण	चतुष्पाद
प्रहर	4
चंद्र	कुंभ
स्त्रीचंद्र	कुंभ

### mee { mee leerele e e e }

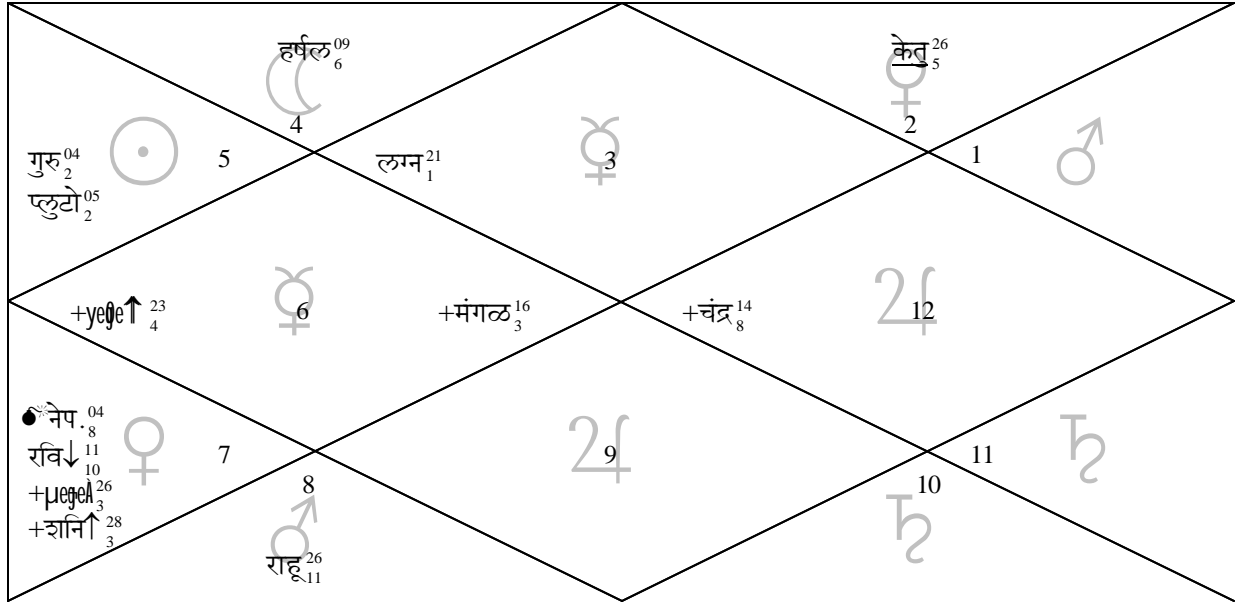
साढेसाती	27/01/1964	-	28/04/1971
लहान पनोती	10/06/1973	-	23/07/1975
लहान पनोती	06/10/1982	-	17/09/1985
साढेसाती	05/03/1993	-	07/06/2000
लहान पनोती	23/07/2002	-	26/05/2005
लहान पनोती	15/11/2011	-	02/11/2014

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

etvej ³eve mHeä üen - } ive keq [ ueer

üen	j eMeer DeMe	efnLeeer	ve#eSe	j e mJee	ve mJee	G mJee	DeJemLee
लग्न	मिथुन	21:32:16	-	पुनर्वसु(1)	बुध	गुरु	-
रवि	तुळ	11:45:07	-	स्वाती(2)	शुक्र	राहू	कुमार
चंद्र	मीन	14:23:59	-	उ.भाद्र(4)	गुरु	शनि	युवा
मंगळ	कन्या	16:50:48	-	हस्त(3)	बुध	शनि	युवा
बुध	कन्या	23:18:55	-	हस्त(4)	बुध	चंद्र	कुमार
गुरु	सिंह	04:32:05	-	मघा(2)	रवि	केतु	बाल
शुक्र	तुळ	26:56:02	-	विशाखा(3)	शुक्र	गुरु	मृत
शनि	तुळ	28:20:27	-	विशाखा(3)	शुक्र	गुरु	मृत
राहू	वृश्चिक	26:13:28	वक्रि	ज्येष्ठा(3)	मंगळ	बुध	बाल
केतु	वृषभ	26:13:28	वक्रि	मृग(1)	शुक्र	मंगळ	बाल
हर्षल	कर्क	09:02:39	-	पुष्य(2)	चंद्र	शनि	वृद्ध
नेप.	तुळ	04:59:47	-	चित्रा(4)	शुक्र	मंगळ	बाल
प्लुटो	सिंह	05:06:13	-	मघा(2)	रवि	केतु	बाल
मादी	सिंह	10:00:12	-	मघा(4)	रवि	केतु	-
भा.-सहंम	वृश्चिक	24:11:08	-	ज्येष्ठा(3)	मंगळ	बुध	-

üen	i leeer	pej	-eAeWeer	Demle	DeJemLee	YeeJe
रवि	00:59:55	00:00:00	-13:11:24	-	नीच	-
चंद्र	14:12:10	04:51:33	07:29:44	-	-	-
मंगळ	00:38:32	मध्यम	00:59:13	-	-	-
बुध	01:01:43	मध्यम	02:03:43	-	उच्च	स्वग्रही
गुरु	00:08:15	मध्यम	00:45:30	-	-	-
शुक्र	01:14:48	शीघ्र	00:08:01	-	-	स्वग्रही
शनि	00:06:58	शीघ्र	01:58:12	-	उच्च	-
राहू	-00:03:10	-	00:00:00	-	-	-
केतु	-00:03:10	-	00:00:00	-	-	दुर्बल



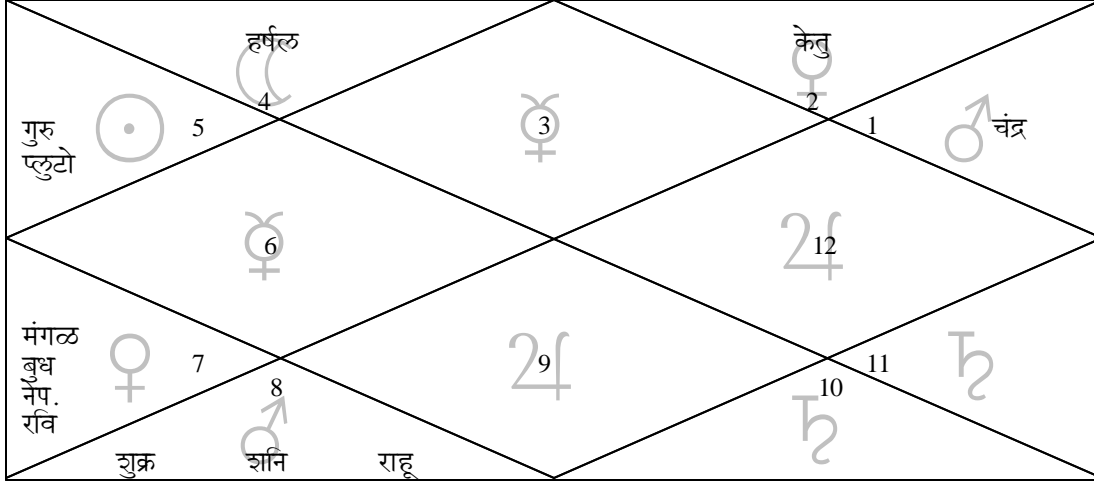
मंगलिक

अर्ध काल-सर्प योग

+चिन्ह चलित चक्रा मध्ये ग्रहांची स्थिति पूढील भाव दाखविते

**SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI**

©eef} le ke} [ ueer

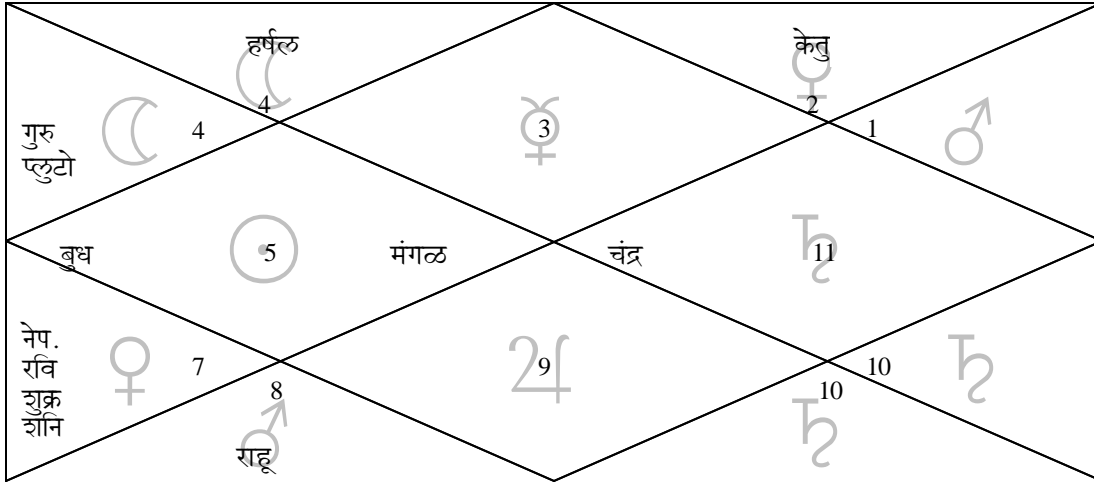


©eef} le YeeJe

keAmHe YeeJe

YeeJe	Deej Ye	ce03e	keAmHe YeeJe	j e mJee	ve mJee	G-mJee
1	मिथुन 02:03:49	मिथुन 21:32:16	मिथुन 21:32:16	बुध	गुरु	गुरु
2	कर्क 02:03:49	कर्क 12:35:21	कर्क 08:36:00	चंद्र	शनि	शुक्र
3	कर्क 23:06:54	सिंह 03:38:27	कर्क 28:35:58	चंद्र	बुध	शनि
4	सिंह 14:10:00	सिंह 24:41:32	सिंह 24:41:32	रवि	शुक्र	बुध
5	कन्या 14:10:00	तुळ 03:38:27	तुळ 00:54:09	शुक्र	मंगळ	बुध
6	तुळ 23:06:54	वृश्चिक 12:35:21	वृश्चिक 14:13:14	मंगळ	शनि	राहू
7	धनु 02:03:49	धनु 21:32:16	धनु 21:32:16	गुरु	शुक्र	गुरु
8	मकर 02:03:49	मकर 12:35:21	मकर 08:36:00	शनि	रवि	शुक्र
9	मकर 23:06:54	कुंभ 03:38:27	मकर 28:35:58	शनि	मंगळ	शनि
10	कुंभ 14:09:59	कुंभ 24:41:32	कुंभ 24:41:32	शनि	गुरु	बुध
11	मीन 14:09:59	मेष 03:38:27	मेष 00:54:09	मंगळ	केतु	शुक्र
12	मेष 23:06:54	वृषभ 12:35:21	वृषभ 14:13:14	शुक्र	चंद्र	गुरु

keAmHe ke} [ ueer

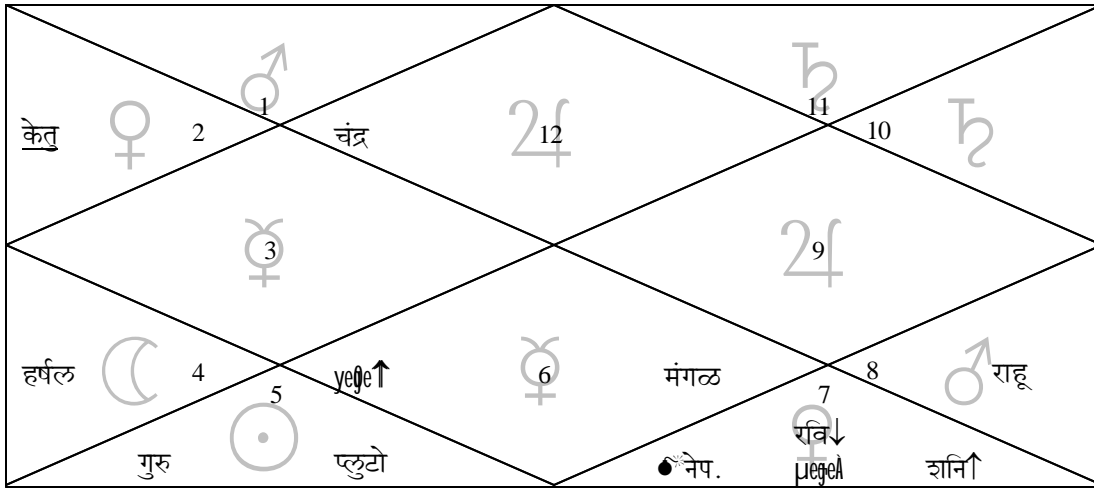


**SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI**

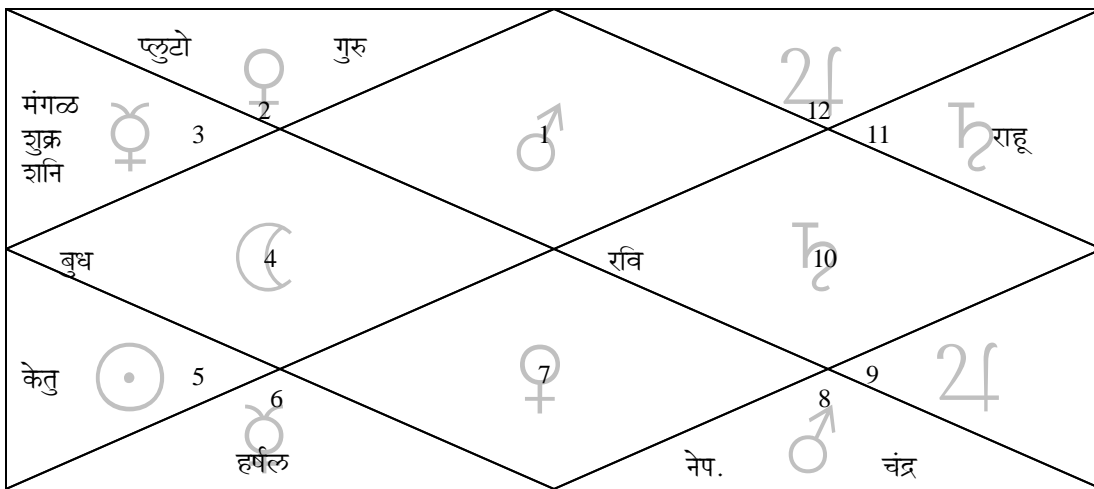
leej e®e-eA

pevce	meHele	eHeHele	#ese	0el³ej er	mee0ekeA	JeJe	ceHeer	DeeDe-ceHeer
उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु
पुष्य	आश्लेशा	मघा	पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूळ	पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र

®eHe j epeerkeA [ ueer



veJeeceHe keA [ ueer



®eHe >>> ceHeU >>> yeHe >>> ®eHe

**SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI**

HeP'eOee ceAeer®e-eA

ve meeje keA ceAeer®e-eA

	mePe&	®eA	ceAieU	yeAe	ieA®	µeegeA	µeeve	j ent	keAleg
mePe&	—	मि॒त्र	मि॒त्र	स॒म	मि॒त्र	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु
®eA	मि॒त्र	—	स॒म	मि॒त्र	स॒म	स॒म	स॒म	श॒त्रु	श॒त्रु
ceAieU	मि॒त्र	मि॒त्र	—	श॒त्रु	मि॒त्र	स॒म	स॒म	श॒त्रु	मि॒त्र
yeAe	मि॒त्र	श॒त्रु	स॒म	—	स॒म	मि॒त्र	स॒म	स॒म	स॒म
ieA®	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	श॒त्रु	—	श॒त्रु	स॒म	स॒म	स॒म
µeegeA	श॒त्रु	श॒त्रु	स॒म	मि॒त्र	स॒म	—	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र
µeeve	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	मि॒त्र	स॒म	मि॒त्र	—	मि॒त्र	श॒त्रु
j ent	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	स॒म	स॒म	मि॒त्र	मि॒त्र	—	श॒त्रु
keAleg	श॒त्रु	श॒त्रु	मि॒त्र	स॒म	स॒म	मि॒त्र	श॒त्रु	श॒त्रु	—

lee|keAeeA} keA ceAeer®e-eA

	mePe&	®eA	ceAieU	yeAe	ieA®	µeegeA	µeeve	j ent	keAleg
mePe&	—	श॒त्रु	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	श॒त्रु	श॒त्रु	मि॒त्र	श॒त्रु
®eA	श॒त्रु	—	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	मि॒त्र
ceAieU	मि॒त्र	श॒त्रु	—	श॒त्रु	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	श॒त्रु
yeAe	मि॒त्र	श॒त्रु	श॒त्रु	—	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	श॒त्रु
ieA®	मि॒त्र	श॒त्रु	मि॒त्र	मि॒त्र	—	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र
µeegeA	श॒त्रु	श॒त्रु	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	—	श॒त्रु	मि॒त्र	श॒त्रु
µeeve	श॒त्रु	श॒त्रु	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	श॒त्रु	—	मि॒त्र	श॒त्रु
j ent	मि॒त्र	श॒त्रु	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	—	श॒त्रु
keAleg	श॒त्रु	मि॒त्र	श॒त्रु	श॒त्रु	मि॒त्र	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	—

HeP'eOee ceAeer®e-eA

	mePe&	®eA	ceAieU	yeAe	ieA®	µeegeA	µeeve	j ent	keAleg
mePe&	—	स॒म	अ॒धि॒मि॒त्र	मि॒त्र	अ॒धि॒मि॒त्र	अ॒धि॒श॒त्रु	अ॒धि॒श॒त्रु	स॒म	अ॒धि॒श॒त्रु
®eA	स॒म	—	श॒त्रु	स॒म	श॒त्रु	श॒त्रु	श॒त्रु	अ॒धि॒श॒त्रु	स॒म
ceAieU	अ॒धि॒मि॒त्र	स॒म	—	अ॒धि॒श॒त्रु	अ॒धि॒मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	स॒म	स॒म
yeAe	अ॒धि॒मि॒त्र	अ॒धि॒श॒त्रु	श॒त्रु	—	मि॒त्र	अ॒धि॒मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र	श॒त्रु
ieA®	अ॒धि॒मि॒त्र	स॒म	अ॒धि॒मि॒त्र	स॒म	—	स॒म	मि॒त्र	मि॒त्र	मि॒त्र
µeegeA	अ॒धि॒श॒त्रु	अ॒धि॒श॒त्रु	मि॒त्र	अ॒धि॒मि॒त्र	मि॒त्र	—	स॒म	अ॒धि॒मि॒त्र	स॒म
µeeve	अ॒धि॒श॒त्रु	अ॒धि॒श॒त्रु	स॒म	अ॒धि॒मि॒त्र	मि॒त्र	स॒म	—	अ॒धि॒मि॒त्र	अ॒धि॒श॒त्रु
j ent	स॒म	अ॒धि॒श॒त्रु	स॒म	मि॒त्र	मि॒त्र	अ॒धि॒मि॒त्र	अ॒धि॒मि॒त्र	—	अ॒धि॒श॒त्रु
keAleg	अ॒धि॒श॒त्रु	स॒म	स॒म	श॒त्रु	मि॒त्र	स॒म	अ॒धि॒श॒त्रु	अ॒धि॒श॒त्रु	—

SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

मेघमेरे ०-६

वेवे केतु [ ०६

जेमेरेकेतु [ ०६

मेरेकेतु [ ०६

	हर्षल	4	लग्न	3	केतु	2	
प्लुटो		1	चंद्र	12		11	
गुरु	केतु	9	राहू	सूर्य↓	●नेपच्यून	मंगळ	5
मांदी			५०६	शनि↑		गुरु	10
5	2		8	7	6	प्लुटो	1
						मांदी	
मंगळ	लग्न		10			हर्षल	4
५०६	3					9	चंद्र
6						12	
५०६	हर्षल		12	1	2	लग्न	
सूर्य↓			चंद्र			राहू	
●नेपच्यून	4	11			3	केतु	8
शनि↑		गुरु	मांदी	मंगळ	सूर्य↓	शनि↑	11
7		प्लुटो	5	५०६	6	●नेपच्यून	
						7	
	राहू	8	9			10	

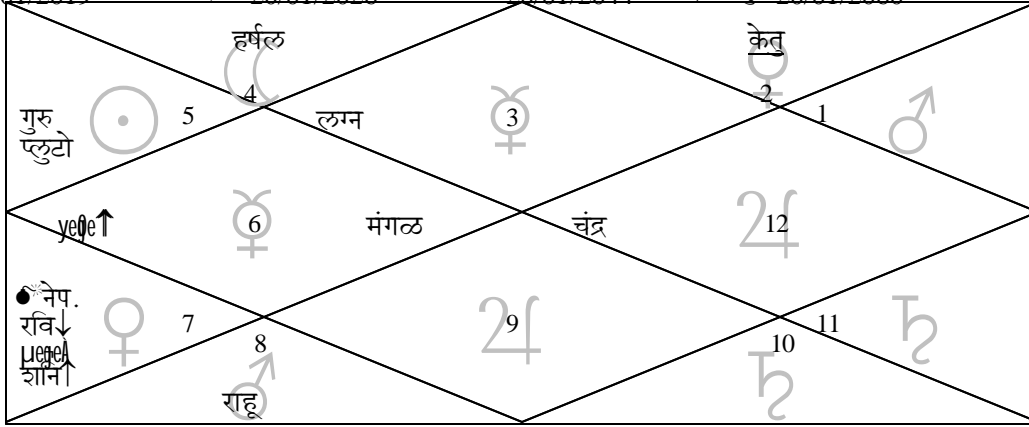
सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहेरील वृत्ता पासून अन्तर वृत्ता पर्यंत जन्मांग, चंद्र व रवि कुंडली मधील ग्रहांची तुलनात्मक स्थिती आहे. दर्शावित आहे. कोणत्याही भावाचा विचार करण्यासाठी त्या भावाला प्रकट करणाऱ्या तीनी राशीचा विचार करावा.



## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

Dejerej erceneropee (Yeejeopee -- peele - 3 Je-ek 2 ceehvee, 23 ebJeme)

<p>peele--<b>20/01/1959</b></p> <p>--</p> <p>--</p> <p>--</p> <p>--</p> <p>--</p> <p>--</p> <p>--</p> <p>--</p> <p>* राहु 09/07/1956</p> <p>++ गुरु 20/01/1959</p> <p>☾--<b>20/01/2019</b></p> <p>चंद्र 20/11/2009</p> <p>- मंगळ 21/06/2010</p> <p>-- राहु 21/12/2011</p> <p>- गुरु 21/04/2013</p> <p>- शनि 20/11/2014</p> <p>* बुध 21/04/2016</p> <p>* केतु 20/11/2016</p> <p>- शुक्र 22/07/2018</p> <p>* सूर्य 20/01/2019</p>	<p>yeje--<b>20/01/1976</b></p> <p>बुध 18/06/1961</p> <p>- केतु 15/06/1962</p> <p>++ शुक्र 15/04/1965</p> <p>++ सूर्य 19/02/1966</p> <p>-- चंद्र 22/07/1967</p> <p>- मंगळ 18/07/1968</p> <p>+ राहु 04/02/1971</p> <p>+ गुरु 12/05/1973</p> <p>+ शनि 20/01/1976</p> <p>celleU--<b>20/01/2026</b></p> <p>मंगळ 18/06/2019</p> <p>* राहु 06/07/2020</p> <p>++ गुरु 12/06/2021</p> <p>+ शनि 22/07/2022</p> <p>-- बुध 19/07/2023</p> <p>* केतु 15/12/2023</p> <p>+ शुक्र 13/02/2025</p> <p>++ सूर्य 21/06/2025</p> <p>* चंद्र 20/01/2026</p>	<p>keelej--<b>20/01/1983</b></p> <p>केतु 18/06/1976</p> <p>* शुक्र 18/08/1977</p> <p>-- सूर्य 24/12/1977</p> <p>* चंद्र 25/07/1978</p> <p>* मंगळ 21/12/1978</p> <p>-- राहु 08/01/1980</p> <p>+ गुरु 14/12/1980</p> <p>-- शनि 23/01/1982</p> <p>- बुध 20/01/1983</p> <p>jeng--<b>20/01/2044</b></p> <p>राहु 02/10/2028</p> <p>+ गुरु 26/02/2031</p> <p>++ शनि 02/01/2034</p> <p>+ बुध 21/07/2036</p> <p>-- केतु 09/08/2037</p> <p>++ शुक्र 08/08/2040</p> <p>* सूर्य 03/07/2041</p> <p>-- चंद्र 02/01/2043</p> <p>* मंगळ 20/01/2044</p>	<p>peele--<b>20/01/2003</b></p> <p>शुक्र 22/05/1986</p> <p>-- सूर्य 22/05/1987</p> <p>-- चंद्र 20/01/1989</p> <p>+ मंगळ 22/03/1990</p> <p>++ राहु 22/03/1993</p> <p>+ गुरु 21/11/1995</p> <p>* शनि 20/01/1999</p> <p>++ बुध 20/11/2001</p> <p>* केतु 20/01/2003</p> <p>ieje--<b>20/01/2060</b></p> <p>गुरु 10/03/2046</p> <p>+ शनि 20/09/2048</p> <p>* बुध 27/12/2050</p> <p>+ केतु 03/12/2051</p> <p>* शुक्र 03/08/2054</p> <p>++ सूर्य 22/05/2055</p> <p>* चंद्र 20/09/2056</p> <p>++ मंगळ 27/08/2057</p> <p>+ राहु 20/01/2060</p>	<p>meje--<b>20/01/2009</b></p> <p>सूर्य 10/05/2003</p> <p>* चंद्र 08/11/2003</p> <p>++ मंगळ 15/03/2004</p> <p>* राहु 07/02/2005</p> <p>++ गुरु 26/11/2005</p> <p>-- शनि 08/11/2006</p> <p>+ बुध 15/09/2007</p> <p>-- केतु 20/01/2008</p> <p>-- शुक्र 20/01/2009</p>
---	---	--	--	---



Dejerej erceneropee (Yeejeopee -- j ent- 9 Je-ek 6 ceehvee, 4 ebJeme)

<p>j ent--<b>02/05/1965</b></p> <p>राहु</p> <p>++ शुक्र 31/12/1956</p> <p>* सूर्य 01/09/1957</p> <p>-- चंद्र 03/05/1959</p> <p>* मंगळ 22/03/1960</p> <p>+ बुध 10/02/1962</p> <p>++ शनि 23/03/1963</p> <p>+ गुरु 02/05/1965</p> <p>celleU--<b>03/05/2015</b></p> <p>मंगळ 05/12/2007</p> <p>-- बुध 09/03/2009</p> <p>+ शनि 04/12/2009</p> <p>++ गुरु 03/05/2011</p> <p>* राहु 22/03/2012</p> <p>+ शुक्र 11/10/2013</p> <p>++ सूर्य 23/03/2014</p> <p>* चंद्र 03/05/2015</p>	<p>peele--<b>02/05/1986</b></p> <p>शुक्र 01/06/1969</p> <p>-- सूर्य 02/08/1970</p> <p>-- चंद्र 02/07/1973</p> <p>+ मंगळ 21/01/1975</p> <p>++ बुध 12/05/1978</p> <p>* शनि 22/04/1980</p> <p>+ गुरु 01/01/1984</p> <p>++ राहु 02/05/1986</p> <p>yeje--<b>02/05/2032</b></p> <p>बुध 04/01/2018</p> <p>+ शनि 02/08/2019</p> <p>+ गुरु 29/07/2022</p> <p>+ राहु 18/06/2024</p> <p>++ शुक्र 08/10/2027</p> <p>++ सूर्य 17/09/2028</p> <p>-- चंद्र 28/01/2031</p> <p>- मंगळ 02/05/2032</p>	<p>meje--<b>02/05/1992</b></p> <p>सूर्य 01/09/1986</p> <p>* चंद्र 02/07/1987</p> <p>++ मंगळ 12/12/1987</p> <p>+ बुध 21/11/1988</p> <p>-- शनि 12/06/1989</p> <p>++ गुरु 02/07/1990</p> <p>* राहु 03/03/1991</p> <p>-- शुक्र 02/05/1992</p> <p>peele--<b>02/05/2042</b></p> <p>शनि 05/04/2033</p> <p>+ गुरु 08/01/2035</p> <p>++ राहु 17/02/2036</p> <p>* शुक्र 28/01/2038</p> <p>-- सूर्य 19/08/2038</p> <p>-- चंद्र 08/01/2040</p> <p>* मंगळ 04/10/2040</p> <p>++ बुध 02/05/2042</p>	<p>☾--<b>03/05/2007</b></p> <p>चंद्र 02/06/1994</p> <p>- मंगळ 13/07/1995</p> <p>* बुध 21/11/1997</p> <p>- शनि 12/04/1999</p> <p>- गुरु 01/12/2001</p> <p>-- राहु 02/08/2003</p> <p>- शुक्र 02/07/2006</p> <p>* सूर्य 03/05/2007</p> <p>ieje--<b>02/05/2061</b></p> <p>गुरु 04/09/2045</p> <p>+ राहु 15/10/2047</p> <p>* शुक्र 26/06/2051</p> <p>++ सूर्य 15/07/2052</p> <p>* चंद्र 06/03/2055</p> <p>++ मंगळ 01/08/2056</p> <p>* बुध 29/07/2059</p> <p>+ शनि 02/05/2061</p>
---	---	--	---

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

mee { mee leereJe } eej

गोचर शनि जेव्हां कुंडलीतील चंद्राला बारावा, पहिला व दूसरा यईल तेव्हां साडेसाती सुरू होते. कुंडलीतील चन्द्राला गोचर चवथा व आठवा आला असता दैव्या म्हणजे अडीचचकी सुरू होते. साडेसाती चा काळ सामान्यपणे शारीरिक, मानसिक व आर्थिक वासाचा जातो तर काहीवेळप आश्चर्यचकित प्रगतिही या काळाक होते.

सामान्यपणे मुष्याच्या जीवनात साडेसाती तीन वेळा एत - पहिल्यांदा बालपणि, दुसऱ्यांदा तरुणपणि व तीसऱ्यांदा म्हातारपणि. पहिल्या साडेसाती चा प्रभाव शिक्षण व आई वडिलावर पडतो. दुसऱ्या साडेसाती चा प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति व कुटुंबावर पडतो. तिसऱ्या साडेसाती चा प्रभाव शारीरिक आरोग्यावर पडतो.

Heveesteer	Meetre YeeJe	DeJeMe	etrekeme	Hee3ee
साडेसाती	कुंभ	27/01/1964	09/04/1966	लोखंड
साडेसाती	मीन	09/04/1966	03/11/1966	चांदी
साडेसाती	कुंभ	03/11/1966	19/12/1966	लोखंड
साडेसाती	मीन	19/12/1966	17/06/1968	सोन
साडेसाती	मेष	17/06/1968	28/09/1968	लोखंड
साडेसाती	मीन	28/09/1968	07/03/1969	चांदी
साडेसाती	मेष	07/03/1969	28/04/1971	लोखंड
लहान पनोती	मिथुन	10/06/1973	23/07/1975	तांब
लहान पनोती	तुळ	06/10/1982	21/12/1984	चांदी
लहान पनोती	तुळ	01/06/1985	17/09/1985	लोखंड
साडेसाती	कुंभ	05/03/1993	15/10/1993	चांदी
साडेसाती	कुंभ	10/11/1993	02/06/1995	सोन
साडेसाती	मीन	02/06/1995	10/08/1995	लोखंड
साडेसाती	कुंभ	10/08/1995	16/02/1996	सोन
साडेसाती	मीन	16/02/1996	17/04/1998	तांब
साडेसाती	मेष	17/04/1998	07/06/2000	तांब
लहान पनोती	मिथुन	23/07/2002	08/01/2003	तांब
लहान पनोती	मिथुन	07/04/2003	06/09/2004	तांब
लहान पनोती	मिथुन	13/01/2005	26/05/2005	लोखंड
लहान पनोती	तुळ	15/11/2011	16/05/2012	लोखंड
लहान पनोती	तुळ	04/08/2012	02/11/2014	लोखंड
साडेसाती	कुंभ	29/04/2022	12/07/2022	सोन
साडेसाती	कुंभ	17/01/2023	29/03/2025	चांदी
साडेसाती	मीन	29/03/2025	03/06/2027	सोन
साडेसाती	मेष	03/06/2027	20/10/2027	चांदी
साडेसाती	मीन	20/10/2027	23/02/2028	तांब
साडेसाती	मेष	23/02/2028	08/08/2029	सोन
साडेसाती	मेष	05/10/2029	17/04/2030	सोन

**SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI**

leej e<sup>®</sup>e-eA

	pevce	meHele	eHeHele	#ece	DeI <sup>3</sup> ej er	meeDekeA	JeIe	ceHeer	DeeDe-ceHeer
Je<e& Je <sup>3</sup> e	'55, '82 1, 28	'56, '83 2, 29	'57, '84 3, 30	'58, '85 4, 31	'59, '86 5, 32	'60, '87 6, 33	'61, '88 7, 34	'62, '89 8, 35	'63, '90 9, 36
ve#e\$e	उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु
üen	चंद्र						केतु		लग्न
®eHe									
mePeHeIyeOg			शनिपात				केतु		
	pevce	meHele	eHeHele	#ece	DeI <sup>3</sup> ej er	meeDekeA	JeIe	ceHeer	DeeDe-ceHeer
Je<e& Je <sup>3</sup> e	'64, '91 10, 37	'65, '92 11, 38	'66, '93 12, 39	'67, '94 13, 40	'68, '95 14, 41	'69, '96 15, 42	'70, '97 16, 43	'71, '98 17, 44	'72, '99 18, 45
ve#e\$e	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा
üen	हर्षल		गुरु प्लूटो मादी		मंगळ बुध	नेप.	रवि		शुक्र शनि
®eHe	कर्म						संघतिक		उदय
mePeHeIyeOg	उल्का	कंप	वज्र	निर्धात					
	pevce	meHele	eHeHele	#ece	DeI <sup>3</sup> ej er	meeDekeA	JeIe	ceHeer	DeeDe-ceHeer
Je<e& Je <sup>3</sup> e	'73, '00 19, 46	'74, '01 20, 47	'75, '02 21, 48	'76, '03 22, 49	'77, '04 23, 50	'78, '05 24, 51	'79, '06 25, 52	'80, '07 26, 53	'81, '08 27, 54
ve#e\$e	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूळ	पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र
üen		राहू							
®eHe	आदान				विनाश		मानस	राज	अभिषेक
mePeHeIyeOg			विधुनमुख			शूल			

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

### MeYeMeYe %eeve

शुभाशुभ ज्ञान आपणांस आपल्या मित्र व शत्रुविषयी बोध करत मूलांक. भाग्यांक व. मित्रांकाद्वारे मैत्री व भागीदारी करण्यात फायदा होईल. त्याच प्रमाणे शुभ दिवस व मित्रराशि लाभदायक असत.

शुभरत्न व धातु तसेच रंग धारण केल्याने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभते. भाग्य धारण केल्याने भाग्यवृद्धि होत. शुभ वेळी कोणत्याही कार्याचा आरंभ केल्याने अपेक्षित यश लवकर मिळत. शुभ पदार्थ, अन्न, द्रव्य इत्यादि चे दान केल्याने शुभफल मेळत. व्यापार-उद्योग शुभ दिशेला केल्यास त्यात भरभराट होत अपेक्षित लाभ होतो. अशुभ सांगितलेल्या गोष्टी कटाक्षाने टाळाव्यात या प्रमाणे शुभ-अशुभ ज्ञानाचा प्रयोग दैनंदिन जीवनात शुभफलदायी ठरत.

मूलांक	:	1
भाग्यांक	:	4
मित्रांक	:	2, 7, 9
शत्रु अंक	:	4, 8
शुभ वर्ष	:	19, 28, 37, 46, 55
शुभ दिवस	:	बुधवार, शुक्रवार, शनिवार
शुभ ग्रह	:	बुध, शुक्र, शनि
अशुभ ग्रह	:	गुरू, शनि
मित्र राशि	:	वृश्चिक, धनु
मित्र लग्न	:	कन्या, धनु, कुंभ, मेष
शुभ रत्न	:	पन्ना
शुभ उपरत्न	:	पन्नी, संगपन्ना, मरगज
भाग्य रत्न	:	निलम
अनुकूल देवता	:	जगदंबा
शुभ धातु	:	कांसा
शुभ रंग	:	हरित
दिशा	:	उत्तर
वेळ	:	सूर्योदय के बाद
पदार्थ	:	शक्कर, हाथीदांत, कपूर, फल
अन्न	:	मूंगा (साबुत)
द्रव्य	:	घी

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

### वेजे ठेन जे वेजे के वेजे

रत्ना चे पूर्ण शुभ फळ मिळण्यासाठी कोणत्याही महिनाच्या शुक्ल पक्ष निर्दिष्ट वार व वेळीच धारण केले पाहिजे. तसेच खाली वजनांचेच रत्न असावे. रत्नाचे वजन सव्वाई असावे. रत्न अंगठीत बसवून घेताना त्या रत्नाचा बोटाच्या कातडीशी स्पर्श झाला पाहिजे अशा रितीने रत्न बहवून घ्यावे.

रत्न धारण करताना इष्टदेवाला श्रद्धा पूर्वक स्मरण करावे.त्यानंतर निरसे दूध व गंगाजळाचा अभिषेक अंगूठी वर करावा. धूप - दीप लावून पूजन करावे. संबंधित ग्रहांचा मंत्र कमित कमी एक माळ जप करावा. त्यानंतर अंगठीला उदबत्ती किंवा धूप दाखवून त्या रत्नाचा ठरवलेल्या बोटात धारण करावी. अंगठी धारण केल्यावर संबंधित ग्रहांचे दान करावे

जर आपण इतर कोणतेही रत्न धारण केलेले असेल तर परस्पर विरोधी रत्न धारण न करण्याची दक्षता घ्यावी. खालील माहिती वरून विरोधी रत्ने व इतर आवश्यक माहिती समजेल.

j lve	üen	Yeej	Oeeleg	yeeë	Jeej	JeU	ve#e\$e
माणिक्य	रवि	3 रत्ती	सोने	अनामिका	रविवार	प्रातः	कृतिका, उ. फा., उ. षा.
मोती	चंद्र	3 रत्ती	चांदी	कनिष्ठिका	सोमवार	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगळ	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	मंगळवार	प्रातः	मृग, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4 रत्ती	सोने	कनिष्ठिका	बुधवार	प्रातः	अश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4 रत्ती	सोने	तर्जनी	गुरुवार	प्रातः	पुनर्वसु, विशाखा, पू. भाद्र.
हीरा	शुक्र	1/4 रत्ती	प्लेटिनम	कनिष्ठिका	शुक्रवार	प्रातः	भरणी, पू. भा., पू. षा.
नीलम	शनि	4 रत्ती	पंचधातु	मध्यमा	शनिवार	संध्या	पुष्य, अनुराधा, उ. भाद्र.
गोमेद	राहू	5 रत्ती	अष्टधातु	मध्यमा	शनिवार	सूर्यास्त	आर्द्रा, स्वाती, शततारका
लहसुनिया	केतु	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	गुरुवार	सूर्यास्त	अश्विनी, मघा, मूळ

j lve	ceëe	eëe#e j lve	oeve HeoeLeë
माणिक्य	ॐ घृणिः सूर्याय नमः	हीरा, नीलम गोमेद	गहु, गुळ, चंदन, लाल वस्त्र
मोती	ॐ सों सोमाय नमः	गोमेद	तांदुळ, साखर, चांदी, श्वेत वस्त्र
मूंगा	ॐ अं अंगारकाय नमः	हारी, गोमेज, नीलम	गहु, गुळ, तांबा, लाल वस्त्र
पन्ना	ॐ बुं बुधाय नमः	---	मूंगा, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र
पुखराज	ॐ बृहस्पतये नमः	हीरा, नीलम	हरभ्रयाची दाळ, हळद, पीवळे वस्त्र
हीरा	ॐ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	तांदुळ, चांदी, तूप, श्वेत वस्त्र
नीलम	ॐ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	उडीद, काळे तिळ, तेल, काळे वस्त्र
गोमेद	ॐ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिळ, तेल काम्बळ, भूरा वस्त्र
लहसुनिया	ॐ कें केतवे नमः	---	सप्तधान्य, नारळ, धूम्र वस्त्र

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

### mee [ meeleeerJej GHee³e

शनिच्या साडेसाती दरम्यान होणाऱ्या अशुभ प्रभावांची तीव्रता कमी होण्यासाठी दान, पुजन व्रत, मंत्रोच्चार आदि उपाय आहेत.

शनिवारी काळी काम्बळ, काळी उडद, काळे-तिळ, काळयारंगाची, चामड्याची पादत्राणे, काळा कापड लोखंडाचे दान करावे. शनिदेवाची पूजा, दर्शन व शनिवारचा उपवास करावा उपवासच्या दिवशी फळे उडव चा खाध वस्तु, हरभरे, बेसन, काळे तिळ, काळे मीठ या वस्तुचेच सेवन करावे. स्वतः किंवा योग्य गुरुजीकडून खालील शनिमंत्राचा 23000 जप करून घ्यावा.

### ॐ नमोऽस्तुते शनि देवाय

शनि चा साडेसातीचा शारीरिक, मानसिक व कौटुंबिक शांति आणि समृद्धि आर्थिक सुदृढता व अंगीकृत कार्यात प्रगती होण्या साठी खालील महामृत्यंजय मंत्राचा 12,5000 जप स्वतः किंवा योग्य पुरोहिताकडून करवून घ्यावा.

### ॐ नमोऽस्तुते शनि देवाय ॐ नमोऽस्तुते शनि देवाय

किंवा खालील मंत्राचा कमीत कमी 108 वेळा जप करावा.

### ॐ नमोऽस्तुते शनि देवाय

साडेसाती च अशुभत्व कमी करून शुभत्व वाढवया साठी 5-1/4 रती बजना च नीलम सोने किंवा पंचधातु बसून उजव्या किंवा डाव्या हाताच्या मधल्या बोटात धारण करावी. कुंडलीत जर शनि ग्रह कारक ग्रह नसेल अशा शनिचे नीलम रत्न वापरू नये. घोड्याच्या नाळेची किंवा बोटीच्या पत्र्याची अंगठी मधल्या बोटात घालावी.

अंगठी शुक्ल पक्षा शनिवारी सायंकाळी सूर्यास्ता च्या अर्धातास पूर्वी धारण करावी. पुष्य, अनुराधा किंवा उत्तरा भाद्रपद या नक्षत्रा पैकी जे नक्षत्र शनिवारी असेल त्या दिवशी अंगठी धारण करावी. अंगठी धारण करण्या पूर्वी शुद्ध निरसे दूध व गंगाजलाने अंगठीस अभिशेक करावा. धूप-दीप लाऊन पूजा करावी व खालील मंत्र 108 वेळा जपून अंगठी धारण करावी.

### ॐ नमोऽस्तुते शनि देवाय

अंगठी धारण केल्यावर शनिच्या वस्तुंचे दान करावे य मुळे शनिच्या अशुभ परिणामांची तीव्रता कमी होईल व आपल्या सुख-शांति-समृद्धित वाढ होईल.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

तुमचा जन्म मिथुन लग्नामध्ये झाला आहे, त्याचा स्वामी बुध आहे. स्वभावाने तुम्ही नम्र, उदार व हास्य प्रवृत्तीच्या व्यक्ति असाल. चेहऱ्यावरून तुम्ही बुद्धीमान दिसता. दुसऱ्याच्या मनातील गोष्ट ओळखण्यास तुम्ही चतुर असाल. सर्वजण प्रभावीत होतील व सन्मान प्राप्त करून देतील. तुमची हसून खेळून रहाण्याची वृत्ती असेल. तुमच्यामध्ये चंचलतेची भावना असेल आणि कुठलाही नवीन विचार येताना तुमच्या डोळ्यामध्ये चमक उत्पन्न होते.

तुमच्यामध्ये स्वाभिमानाचा गुणधर्म ही असेल आणि मित्र वर्गासाठी सहयोग व मदत करण्याची भावना पण असेल. उच्च अधिकारी व राजनितीक नेत्यांबरोबर तुमचे चांगले संबंध असतील. त्यांच्यापासून तुम्हाला इच्छित लाभ व सहयोग प्राप्त होईल. भौतिक सुख समाधान प्राप्त करून घेण्यासाठी तुम्ही समर्थ असाल. तसेच धन संपत्ती आणि वैभवापासून तुम्ही सुखी व संपन्न असाल. शुभ आणि महत्वपूर्ण कार्य तुम्ही अंत्यत विचारपूर्वक व वेळेनुसार कराल.

कला व संगीताबद्दल तुम्हाला फार आवड असेल तसेच त्याची तुम्ही ज्ञानपूर्वक उपासना कराल. कोणतेही कार्य तुम्ही ईमानदारी व सत्याने पूर्ण कराल. आपल्या मनातली गोष्ट तुम्ही सदैव गुप्त ठेवाल. तुम्ही एक मर्दानी व्यक्ति असाल तसेच शास्त्राबद्दल तुम्हाला फार आवड असेल. व्यापार व कायदा ह्या संबंधीत तुम्ही निपूण असाल. ह्यामुळे तुम्ही तुमच्या जीवनात सफलतेच्या मार्गावर अग्रेसर राहू शकाल. मित्रवर्गामध्ये तुम्ही प्रिय असाल व सदैव त्यांच्या कल्याणाचा तुम्ही विचार कराल. तुम्ही कुठल्याही एका सिद्धांतावर अटळ रहाणे हे योग्य समजत नाही. प्रत्यक्ष रूपाने तुम्ही सरकारी कामामध्ये आपले योगदान द्याल.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

Oeve, Heefj Jeej , ve\$e DeeeCe JeeCeer

तुमच्या जन्माच्या वेळी द्वितीय भावामध्ये कर्क राशी उदित होत होती, त्याचा स्वामी चंद्र आहे. आपण एक भावनाप्रधान प्रवृत्तीचे व्यक्ति असाल. तसेच स्वभाव बोलका असेल. समाजामध्ये तुम्ही एक सन्माननीय व्यक्ति म्हणून ओळखले जाल. वेळोवेळी सर्व लोकांकडून तुम्हाला योग्यतो मान सन्मान मिळत राहिल. तुमची वाणी सुस्पष्ट व मधुर असेल. त्यामुळे समोरील व्यक्ती आपल्या पासून प्रभावित होतील. तुम्ही तुमचे विचार, कुठल्याही अडचणी लोकांसमोर प्रस्तुत कराल त्यामुळे सर्वलोक तुमच्यावर प्रभावीत असतील.

कौटुंबिक सुख शांती आणि समृद्धी राहिल. शांती व सुखासाठी तुम्ही नित्य प्रयत्नशील असाल. मुलाबाळांपासून पूर्ण सुख व सहयोग वेळोवेळी प्राप्त होईल आपल्याला सुंदर व स्वादिष्ट जेवण्याची आवड असेल. मिष्टान्न प्रिय असेल. जास्त प्रमाणात मिष्टान्न खाल्याने तुम्हाला शारीरिक त्रास उद्भवु शकतो. मुलांचे तुमच्यावर विशेष प्रेम राहिल व तुमची सेवा करण्यासाठी ते सदैव पुढे असतील. तुम्ही तुमचे जीवन सुखा समाधानाने घालवाल. कुटुबामध्ये वेळोवेळी धार्मिक व शुभ कार्यांचे आयोजन कराल. तुम्ही तुमचे विचार लोकांसमोर प्रकट कराल. त्यामुळे लोक तुमच्यावर प्रभावीत होतात.



## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

Hej e-eAce, YeeJef s OekeAeueve DeeeCe } Iefee\$ee

तुमच्या जन्माच्या वेळी तृतीय भावामध्ये सिंह राशि उदीत होत होती, त्याचा स्वामी सूर्य आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्ही एक आदर्श, विशाल हृदयाची साहसी व्यक्ति असाल. तुमच्या नातेवाईकांशी मित्रांशी आणि भाऊबहिणींवर तुमचा पूर्ण विश्वास असेल. त्यांच्या सुख समाधानासाठी तुम्ही सदैव तत्पर असाल. त्यांची सेवा करणे तुम्ही आपले कर्तव्य समजाल. तुम्ही प्रशासनीक व उच्च अधिकाराचे पद प्राप्त करण्यास समर्थ असाल. भाऊ बहीणीनी आज्ञेचे पालन केले नसेल तर तुम्हाला अल्पप्रमाणात क्रोध येतो. कौटुंबिक शांतता आणि समृद्धीसाठी तुम्ही त्यांच्या चुकांनाही विसराल व त्यांना माफ कराल.

तुम्ही एक बुद्धीमान व्यक्ति असाल. तुमची स्मरण शक्ती अंत्यत तीक्ष्ण असेल. कुठलीही गोष्ट एकदा बघितल्यास व ऐकल्यास ती तुम्ही लवकर विसरत नाही. उच्च शिक्षण आध्यात्मिक व लेखनासंबंधी कार्यामध्ये तुम्ही कार्यशील असाल. यत्नपूर्वक त्याचा तुम्ही अभ्यास कराल. प्रकाशनाच्या क्षेत्रात तुमची रूचि असेल. ह्याच्या व्यतीरीक्त आपण एक अधिकारी व संवाददात्याच्या रुपानेही सफल होऊ शकता. तुम्ही आधुनिक संचार सामग्री व टेलीफोन, दुरदर्शन व वहान ह्यांच्या पासून परीपूर्ण असाल व त्याचा आनंदपूर्वक उपभोग कराल. तुम्ही नीतीशास्त्राचे विशेष ज्ञान वाढवाल. तसेच वृत्तपत्र, पत्रव्यवहार आणि लेखना पासून तुम्हाला विशिष्ट लाभ होईल. संगीताबद्दल तुम्हाला आवड असेल व त्याचा वेळेनुसार तुम्ही उपभोग कराल. तुम्ही वेळोवेळी जवळपासचे प्रवास कराल व त्यापासून तुम्हाला प्रसिद्धि व धन ही प्राप्त होईल.

हा गुरु व्यक्तिला स्वभावाने सज्जन, प्रेमळ, परोपकारी बनवितो. असे लोक आशावादि असतात. हा गुरु वाचनाची आवड, शिक्षणाता उत्कृष्ट प्रगति दर्शवितो. असे लोक अत्यंत अभ्यासू असतात. हा गुरु अक्षर सुंदर देतो. घरात व्यक्तिचे प्रभुत्व असते. गुरु शुक्र काव्य गायनात प्रगति, कलांची आवड देतो. हातून लिखाणी होते. लिखाणात किर्ति लाभते. भाषा, तत्त्वज्ञानविषय चांगले असतात. गुरु रहू अधिकार, कीर्ति देतो. चंद्र गुरु जीवनात काही काळ भाग्य देतो. गुरु केतु भावंडाचे सौख्य नष्ट करतो.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

DeeF& Jeevve, YeevvelekeA Sae3e& Deekheì eaDeeeCe e#e#eCe

तुमच्या जन्माच्या वेळी चतुर्थ स्थानामध्ये कन्या राशी उदीत होत होती, जीचा स्वामी बुध आहे. तुमची आई एक बुद्धीमान स्त्री असेल. परस्परातील समतोल राखण्यासाठी ती सदैव सज्ज राहिल. कुंटुबाच्या हिताची ती सदैव काळजी घेईल. सुख शांती प्राप्त करण्यासाठी ती प्रयत्नशील राहिल. मिळकतीसाठी तुमच्यामध्ये मतभेद होऊ शकतात. मुलांवर तीचे पूर्ण प्रेम असेल. आईवडीलांच्या सहयोगाने तुम्हाला वाहान वगैरे चे सुख लाभेल. तुम्हाला रहाण्यासाठी लहान जागा पसंत नसणार. तुम्हाला मोठ्या घराची इच्छा असेल व ते घर आकर्षक ठेवण्याची तुम्हाला आवड राहिल. घरामध्ये आधुनिक व भौतिक साधनानी घर सुंदर ठेवण्याची आवड राहिल. घरामध्ये तुम्हाला आनंद व शांतीचा आनुभव येईल. तुम्हाला काही विषयांमध्ये ज्ञान प्राप्त करण्याची आवड असेल. तसेच वृत्तलेखन व गणित ह्यामध्ये विशिष्ट सफलता प्राप्त करण्यास तुम्ही समर्थ असाल. तुम्ही एक धनवान व्यक्ती असाल परंतु मित्रांकडून तुम्हाला सहयोग व लाभ अल्प प्रमाणात प्राप्त होईल. चोरी, वशीकरण, तांत्रिक मंत्र ह्यापासून तुम्हाला त्रास होण्याची शक्यता आहे. उच्च शिक्षण प्राप्त करते वेळी अडचणी निर्माण होतील पण तुम्ही त्यावर विजय प्राप्त करून उच्चशिक्षण अर्जित कराल.

ह्या स्थानातील मंगळ केंद्रस्थानातील मंगळ म्हणून महत्वाचा असतो. जमीनजुमला, शेतीवाडी ह्या दृष्टीने चांगला असतो. गृहसौख्याच्या दृष्टीने हा मंगळ घरातीलवातावरण तप्त ठेवतो गृहसौख्य बिघडवितो. लोंकाना सतत कार्यरत असल्याने, शांतिविश्रांति लाभत नाही. हा मंगळ घरात संघर्ष निर्माण करू शकतो. स्त्रीयांच्या पत्रीकेतहा मंगळ शुभ ग्रहाबरोबर असल्यास काही अंशी बरा असतो. पापग्रहयुक्त असल्यासवैवाहित सौख्य नष्ट करतो. शुक्रयुक्त असता सांपत्तिक दर्जा चांगला ठेवतो. शनि,हर्षल नेपच्यूनयुक्त मंगळ ग्रहसौख्याची होळी करतात.

ह्या स्थानातील बुध बौद्धिकदृष्ट्या तितकाच महत्वाचा होत नाही. हा व्यक्तिला प्रेमळ बनवितो. अशा लोकांना गप्पांची, संभावनाची जास्त आवड असते. ह्या लोकांना आप्तबांधव, मित्र भरपूर असतात. सर्व साधारण हा बुध सुखाच्या दृष्टीने चांगला असतो. व्यक्तिला मातृसौख्य चांगले देतो. ह्या स्थानात बुधाबरोबर मंगळ असता अशा व्यक्तीचे घरात पटत नाही. गुरु,ज शुक्रा, रविबरोबर असलेला बुध शिक्षणास चांगला असतो.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

येगी, मेल्लेलेर देवेले देवेले मेल्लेले

तुमच्या जन्माचे वेळी पंचम स्थानामध्ये तुला राशी उदीत होत होती, जीचा स्वामी शुक्र आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्ही आधुनिक विचारांची व्यक्ति असाल. तुमच्या मनामध्ये उदारता व संज्जनतेचा भाव असेल. लोकांसंबंधी तुमच्या मनामध्ये प्रेमाची व स्नेहाची भावना असेल. तुमचे रहाणे उच्चपद्धतीचे असेल व आधुनिक वस्तूंचा उपभोग घ्याल. तुम्ही महत्त्वाकांक्षी असाल. तुम्ही बुद्धीमान व्यक्ति असाल, त्यामुळे तुमच्या जीवनात तुम्ही सुख, वैभव इत्यादि आपल्या बुद्धिने प्राप्त कराल. राशीच्या प्रभावामुळे तुम्ही वाक् सिद्धि, कल्पनाशिलता, वैदिक ज्ञानाची आवड असेल योग्य दिशेने विचार करण्याची शक्ती तुमच्यामध्ये असेल व ती तुम्ही परीपूर्ण कराल.

मुलाबाळांनी तुम्ही परीपूर्ण असाल व त्यांच्यापासून तुम्हाला सुख आणि सहयोग लाभेल. परंतु त्यांचे शिक्षण, लग्न कामधंदा ह्यासंबंधी तुम्ही चिंता कराल. परंतु ह्याचा प्रभाव अल्प काळ राहिल व शेवटी ती चिंता दूर होईल. तुम्ही व्यक्तिगत व सामाजिक कार्यामध्ये प्रसन्न व संतुष्ट राहाल. तुमची मुलबाळ दिसायला सुंदर आकर्षित व तुमच्या कार्य क्षेत्रात सफलता प्राप्त घडवून आणण्यासाठी समर्थ असतील. वृद्धावस्थेमध्ये ती तुमची सेवा करतील व कोणत्याही प्रकाराचे कष्ट देणार नाहीत. व्यापार कार्यामध्ये सरकारपासून तुम्हाला त्रास होण्याची संभावना असेल.

ह्या स्थानात रवि असलेल्या व्यक्ति बौद्धिक दिमाख दाखविणाऱ्या असतात हा रवि शुभ ग्रहांबरोबर उच्च शिक्षण पूर्ण करतो. पंचमातील रवि हा उपासनेच्या दृष्टीने चांगली प्रगती दाखवतो. पंचम, नवम वा प्रथम स्थानात गुरू असता बौद्धिक क्षेत्रात मानमान्यता मिळते. रवि बुध योगात कुशाग्र बुद्धिमत्ता, संशोधन वृत्ति असते. शुभ ग्रहांबरोबरच असलेला रवि व्यक्तिला पोषाखाच्या बाबतीत चोखंदळपणा, वागण्या चालण्याच्या पद्धति बदल नुसत्या अवाजवी कल्पना देतो.

हे स्थान शुक्राच्या मुळ स्वभावाचा बाह्य आविष्कार उत्तम तऱ्हेने करणे. ह्या स्थानांतसर्जनशीलता जास्त आहे. आविष्कार ह्या स्थानापेक्षा जोरदारपणाने करील पण त्यालाव्यवहारी भूमिका आहे. दशमस्थान जीवनासाठी कला असेल तर पंचम साथान'कलेसाठी कला' आहे. ह्या कलेला जनमतांत मान्यता मिळो अगर न मिळो,आत्मिक समाधान तर निश्चित मिळते. पंचमाती शुक्र कोणत्याही कलेला पोषकअसतो. उत्कृष्ट वाद्यवादन, गायन ह्या शुक्रामुळे निर्माण होतात. कोमता ना कोणतातरी छंद हा शुक्र देतो. कोमत्या ना कोणत्या क्षेत्रात अशा व्यक्ति आनंद मजा,कलात्मकता अनुभावत असतात. उत्कृष्ट कवित्व, शीघ्र कवित्व, काही जवळ वासकरीत असते, काही गायन वादनाच्या मैफली संगून जातात कोणाची त्यात आनंद आणणेकोणाची त्यात बास आणणे प्रगति अपते

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

yeqfX , melleerDeeeCe 0eCe<sup>3</sup>e melyeDe

कांहीना केवळ सिनेमा, नाटक पाहण्याचीहौस असते. कांहीना मित्रपरिवारातील गप्पा गोष्टीची हौस असते, कांहीना पत्ते, रेस,जुगार वगैरेत आनंद लाभतो. कांहीना चित्रकला, फोटोग्राफी, निसर्गसौंदर्याची ओढअसते. शुक्राच्या गुणांना अविष्कार ह्या ना त्या स्वरूपाचा होत असतो. कलेच्या दृष्टीनेत्यात प्रगती होणे न होणे इतर ग्रहांच्या स्वरूपात अवलंबून असते, स्त्रीयाच्यापत्रिकेल असा शुक्र भरतकाम, शिवणकाम, विणकाम ह्या स्वरूपात व्यक्त होत असतो.चतुर्थातील शुक्रापेक्षा ह्या स्थानातील शुक्राजवळ प्रेमाचे वेगळे स्वरूप आहे. ह्यास्थानातील शुक्र जास्त सहवासिकप्रिय आहे. ह्यामुळे प्रेम, प्रणय, मैत्री ह्या स्वरूपाततो व्यक्त होतो. पंचम स्थानातील शुक्र असलेल्या व्यक्तिके प्रेमविवाह, सहवासोत्तरविवाह होतात. अशा शुक्रात कमीत कमी चांगली मैत्री, काही काळ प्रेम असतेचस्त्रीयांच्या ओळखी जास्त असतात तसेच मित्र मैत्रिणीचा परिवार जास्त असतो. अशाव्यक्ति पोषाख, राहणी, ह्यात व्यवस्थित असतात, इतर योगानुसार ह्या शुक्राच्याप्रेमाचे मूल्य मापन करावे पंचमात शुक्र असलेल्या विद्यार्थींचे मापाविषय चांगलेअसतात. तसेच शिक्षणक्रमाव्यरिक्त गोष्टि नाटके, स्नेहसंमेलन, सहली ह्यांत उत्साहनेभाग घेतात. पंचमातील शुक्र कोणत्याही लिखाणाच्या दृष्टीने पोषक असतो. अशाव्यक्तिक्या हातून ग्रंथलिखाण होते. शुक्रनेपच्यून असलेल्या व्यक्तीना प्रेमाशिवाय जनतायेत नाही. उत्कृष्ट प्रकारची स्फूर्ति अशा युतीत असून उत्तम प्रनिमासंपन्न लेखाकाल हीयुति जन्म देते. सर्वसाधारण पंचमातील शुक्र कन्या संतति जास्त देतो. संततिदिसावयास चांगली असते. प्रथम संतति प्रथम विशेष स्वरूपवान असते. संततिपासूनसुख लाभते. कन्यांना चांगली स्थळे मिळतात. ह्या शुक्रात दोन संततीतील अंतर 2ते 3 वर्षापर्यंत असते. संतति आज्ञाकारी व हुशार असते.

ह्या स्थानातील शनि असलेल्या व्यक्ति बुद्धिमान असतात. त्यांच्यात व्यवहारीपणा, स्वार्थीवृत्ति असते, हे लोक अत्यंत राजकारणी, डावपेच संशयी, अविश्वासू असतात. ह्या स्थानातील शनि कोणत्याही ज्ञानशाखेच्या अभ्यासास लागणारी दीर्घ काळ चिकाट देतो. कायदेशास्त्र, अभ्यासास पंचन व एकादश स्थानातील शनि महत्वाचा असतो. बुध, गुरू, हर्षलसारख्या ग्रहांबरोबर असता अगर हे ग्रह तृतीय प्रथम नवम स्थानात असता हा शनि उच्च प्रकारची बुद्धिमत्ता देतो.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

j e s e , p e \$ e q v e e k e l j D e e e C e c e e c e e

तुमच्या जन्माच्या वेळी षष्ठम भावामध्ये वृश्चिक राशी उदीत होत होती, त्याचा स्वामी मंगळ हा आहे. ह्याच्या प्रभावाने विनाकारण चिंता व रोगापासून तब्बेतीला त्रास होईल. तसेच तुम्हाला उत्तम तब्बेतीसाठी सीमित प्रमाणात परिश्रम करायला पाहिजेत. कारण क्षमतेपेक्षा अधिक कार्य करणे तुमच्या तब्बेतीसाठी हानीकारक आहे. सामान्यपणे तुम्हाला सर्दी खोकला, वात ह्या पासून त्रास होण्याची संभावना आहे. वृद्धावस्थेमध्ये तुम्हाला दमा होण्याची शक्यता आहे. तुम्हाला संधीवाताचा थोडा फार त्रास होऊ शकतो. तब्बेतीकडे तुम्ही विशेष सतर्क रहावे.

मंगळ हा एक तेजस्वी व गरम ग्रह आहे. तसेच तुम्ही कधीही विनाकारण कठोर शब्दांचा उपयोग करू नये व यत्नपूर्वक मधुर बोलले पाहिजे तुमच्या उन्नतीच्या कार्यामध्ये शत्रु वेळोवेळी अडथळे निर्माण करतील त्यामुळे तुम्हाला समस्यांना सामोरे जावे लागेल. शेवटी तुमचे जीवन अत्यंत परिश्रम पूर्ण राहिल. तुम्ही आपल्या चातुर्याने शत्रु पक्ष, बंधु, मित्र सरकारी अधिकारी ह्यांच्या विरोधाचा सामना करू शकता. त्यांना मदत करण्याचे सामर्थ्य तुमच्यामध्ये आहे. त्यामुळे तुमचा त्रासही दूर होईल. तुमचे अधिकतर मित्र गरम स्वभावाचे असतील व ते तुमच्या खाजगी गोष्टीपण लोकांना सांगून तुमच्या मानसन्मानाला ठेच पोचवतील. तुम्ही जीवनातील चैनी करता अधिक प्रमाणात खर्च कराल. त्यामुळे तुमच्या आर्थिक परीस्थीतीवर परिणाम होईल व कर्ज घेणे भाग पडेल शेवटी तुम्हाला ह्या सर्व गोष्टीवरती लक्ष ठेवावे लागेल. लक्षपूर्वक खर्च करायला पाहिजे कोर्टकचेरीच्या कामामध्ये तुम्हाला फायदा होऊ शकतो. तसेच नुकसानही होऊ शकेल. मामामामीकडून इच्छित सुख तुम्हाला अल्प प्रमाणात प्राप्त होईल. परंतु त्याची इच्छा बाळगू नका. तुम्हाला अधिक स्वादिष्ट जेवण घेतले पाहिजे, त्यामुळे तुमची तब्बेत उत्तम राहिल.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

oelhel<sup>3e</sup>, eJJeJeen DeeeCe Yeeieeoej er

तुमच्या जन्माच्या वेळी सप्तम भावामध्ये धनु राशी उदीत होत होती, त्याचा स्वामी गुरू आहे. ह्याच्या प्रभावामुळे तुम्ही आकर्षक व सुंदर व्यक्ति असाल. तुम्ही उच्चशिक्षण प्राप्त कराल. ही राशी द्विस्वभाव असल्यामुळे आपले दांपत्यजीवन सुखी व प्रसन्नतापूर्वक राहिल व जीवन सामान्यपणे परिवर्तनशील राहिल. जीवनामध्ये तुम्हाला विविधता पसंत असेल तुम्ही लोकांसमोर प्रदर्शन कराल. तुमचे विचार डोळ्यांमध्ये संचलित झाल्यास तुम्ही त्यांना भावपूर्वक मांडण्याचा प्रयत्न करता. शेवटी तुम्ही सांसारिक संकटापासून सुरक्षित रहाण्याचा प्रयत्न कराल.

तुम्ही तुमचे दांपत्य जीवन एक दुसऱ्या बरोबर सुख सहयोगाने कराल. परंतु तुम्ही कित्येक वेळा आपल्या इच्छेविरुद्ध कार्य करण्यास नाराजी दाखवता ह्यामुळे तणाव व मतभेद उत्पन्न होतात. तुमच्यासाठी तुला, कुंभ, मेष ह्या लग्नाच्या व्यक्ति जीवनात व व्यापारात फायदेकारक आहेत. दलाली व समाजकार्यामध्ये तुम्हाला सफलता प्राप्त होऊ शकेल. तुमचा स्वभाव सगळ्यांशी मिळता जुळता असेल. तुम्ही जीवन प्रसन्नतापूर्वक जगाल.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

nt[e, e]ecee, Dee<sup>3</sup>e<sup>3</sup>e DeeeCe Deheleee

तुमच्या जन्माच्यावेळी अष्टम भावामध्ये मकर राशी उदीत होत होती, जीचा स्वामी शनि आहे. ह्याच्या प्रभावामुळे व्यवहारीक व आधुनिक विचारधारणेच्या व्यक्ति असाल. आध्यात्मीक ज्योतीष व तंत्र-मंत्रावर तुम्हाला विशेष श्रद्धा नसेल. आयुष्यामध्ये तुम्ही शुभ व महत्वपूर्ण कार्य स्वपराक्रमाने व परीश्रमाने कराल. मित्राच्या सल्ल्यापासून तुम्हाला विशेष फायदा होणार नाही तुम्हाला वाडवडीलांची संपत्ती मिळण्याचा योग आहे. तुम्ही तुमच्या मेहनतीवर व कार्य कौशल्यावर धनवान व्यक्ति बनाल. तुमचे दांपत्य जीवन साधारणपणे सुख व शांतीने जाईल. वीमा उतरवल्याने तुम्हाला लाभ होईल. घर, गाडी व अन्य वस्तुचा वीमा उतरवल्यास तुम्हाला अधिक फायदा होईल. जीवनामध्ये सतकृत्यांचे पालन केल्यास तुमची प्रवृत्ती व प्रकृती उत्तम राहिल व उद्भवणारा त्रास नाहीसा होईल. आयुष्य पण चांगले जाईल. तसेच तुमचे सांसारिक जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होईल.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

meeweei<sup>3e</sup>, 0eefmeefx, Hepee, G<sup>®</sup>ee#eCe DeeeCe } ebye 0eJeeme

तुमच्या जन्माच्या वेळी नवम भावामध्ये कुंभ राशि उदीत होत होती, जीचा स्वामी शनि आहे. ह्याच्या प्रभावामुळे आपण एक धार्मिक व्यक्ति असाल. धार्मिक क्षेत्रामध्ये तुम्ही उच्चशिक्षण प्राप्त कराल व त्याचे तुम्ही आवडीने पालन कराल. जीवनामध्ये प्रसिद्धि प्राप्त करून घेण्याची तुम्हाला ओढ लागलेली असेल. तुम्हाला समाजामध्ये मान सन्मान, धन, नाव इत्यादी प्राप्त होईल. तुम्हाला ज्योतीषाबद्दल श्रद्धा असेल.

तुम्ही कार्यपेक्षा नशीबाला अधिक महत्व द्याल. तुमचे चांगले संस्कार मुलांवर पडतील. तुम्ही वेळोवेळी तीर्थयात्राही कराल व साधु महात्म्याबरोबर राहून प्रसन्नता व संतोष प्राप्त कराल. जनसेवा, देऊळ बांधणे व इतर कार्यामध्ये तुम्ही पुढाकार घ्याल. मुलांकडून तुम्हाला इच्छेनुसार सुख प्राप्त होईल. पूर्वजन्माच्या पुण्यकर्मांमुळे तुम्ही तुमचे जीवन सुखमय व आनंदीत घालवाल.



## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

Je [ er] , J<sup>3e</sup>Jemee<sup>3e</sup> DeeeCe meeceepeekeA mlej

तुमच्या जन्माच्या वेळी दशम भावामध्ये मीन राशी उदीत होत होती, जीचा स्वामी गुरू आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुमचे वडील एक बुद्धीमान व्यक्ति असतील व त्यांचे शारिरीक व मानसिक स्वाथ्य उत्तम असायला पाहिजे. त्यांची प्रवृत्ती धार्मिक असेल. ते समस्त शुभ कार्य व महत्वपूर्ण कार्य परीश्रमपूर्वक करतील.

तुम्हाला तंत्र-मंत्र व ज्योतीष शास्त्रामध्ये रुचि व श्रद्धा असेल. व्यवसाय क्षेत्रामध्ये विज्ञान, लेखन, बैक, कर्मचारी या रूपात तुम्ही आपल्या नोकरीचा प्रारंभ करू शकाल. ह्यामुळे तुम्हाला आनंदाची अनुभूती होईल व ह्या कामामुळे जास्त प्रमाणात लाभ होण्याची शक्यता आहे. तुम्ही शैक्षणिक, प्रशासनिक आणि प्रबंधाच्या क्षेत्रामध्येही काम करू शकता. तुमच्या जीवनात वेळोवेळी परीवर्तनाचे योग आहेत.

धन प्राप्त करून घेण्यासाठी तुमच्या डोक्यामध्ये नवीन नवीन विचार येतील. त्यामुळे तुम्हाला सफलता ही प्राप्त होईल. तुम्ही एक धार्मिक प्रवृत्तीचे व सज्जनांचे सेवा करणारे व परोपकारी आहात. आर्थिक गोष्टीनी समृद्ध होउन आपले जीवन आनंदपूर्वक घालवाल. सरकार पासून तुम्हाला इच्छित लाभ होऊ शकतो व सहयोग ही प्राप्त होईल.

नोकरीत, व्यवसायात लवकर स्थिरस्थावरता देत नसतो. चंद्र दशमात इतर ग्रहाबरोबर असता त्या ग्रहाला प्राधान्य द्यावे शुभ ग्रहाबरोबर असता नांवलौकिक, उत्कृष्ट दर्जा, सामाजिक वजन असते. दशमांत चंद्र व्यापारी लोकांस द्रवपदार्थचे व्यापार, गृहोपयोगी वस्तेचे व्यापार दाखवितो. दशमात चंद्र व नवमात शनि असता उशिरा स्थिरस्थावरता देतो. द्वितीयांत गुरू शनि असता दशमातील चंद्र महत्त्वाचा असतो.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

} eYe, eteSe, mecepe, ceepYeT DeedCe DeekeAe#ee

आपल्या जन्माच्या वेळी एकादश भावामध्ये मेष राशी उदीत होत होती, जीचा स्वामी मंगळ आहे. ह्याच्या प्रभावाने तुम्ही एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति असाल व मनामध्ये इच्छेचा सागर असेल. तुम्ही तुमच्या कामामध्ये व्यस्त असाल. त्यामुळे तुमची आर्थिक समृद्धी राहिल. लोकांवर काम करून घेण्याचे सामर्थ्य तुमच्यामध्ये असेल व त्यांना एकत्र करून नियंत्रण ठेवण्याचे पण सामर्थ्य तुमच्यात आहे. तुम्ही प्रबंधक, प्रशासनीक व संरक्षण विभागामध्ये कार्य करू शकता आणि ह्या क्षेत्रापासून तुम्हाला लाभ होण्याची शक्यता आहे. तुम्हाला मोठ्या भावाकडून योग्य तो सहयोग प्राप्त होईल. व त्यांचा तुम्ही पूर्ण मनाने सन्मान कराल.

तुमचा मित्रवर्ग चांगला असेल आणि तुमचे सगळे मित्र पराक्रमी, शिक्षित व निर्भय असतील. समाज क्षेत्रामध्ये तुम्ही नामांकीत व्हाल व जीवनामध्ये स्वपराक्रमाने कोणत्याही सामाजीक कार्यात समर्थ असाल. तुम्ही स्वच्छंद प्रवृत्तीच्या व्यक्ती असाल व लोकांबरोबर काम करण्यात प्रसन्नता वाटेल. तुमचा सामाजीक क्षेत्रात सर्व लोकांशी संपर्क असेल तुमचे सामान्य जीवन सुखी व ऐश्वर्याने युक्त व्यतीत होईल.

## SAMPLE OF DCP5 IN MARATHI

वेळेवेळे, येवेवेळे, केलेले वेळेवेळे, हेलेले वेळेवेळे

तुमच्या जन्माच्या वेळी द्वादश भावामध्ये वृषभ राशी उदीत होत होती, तीचा स्वामी शुक्र आहे. ह्याच्या प्रभावाने सामान्यतः तुमचे जीवन परीवर्तनशील असेल. सुख ऐश्वर्य ह्यापासून तुम्ही तृप्त असाल. तुमची आर्थिक स्थिती मजबूत असेल आणि वेगवेगळ्या जागेपासून तुम्हाला धन प्राप्त होईल. परंतु तुमची प्रवृत्ती धन खर्च करण्याची असेल. म्हणून मनमोकळेपणाने तुम्ही धन खर्च कराल. कुंटुबामध्ये खाण्यापीण्यामध्ये कपडेलत्यामध्ये व मौजमजेमध्ये अधिक धन खर्च कराल. नामांकीत कंपनीत पण पैसा गुंतवाल त्याचा भाविष्यामध्ये तुम्हाला लाभ होण्याची शक्यता आहे. भौतिक उपकरणानी तुमचे घर परीपूर्ण असेल तुमच्या जीवनामध्ये वेळोवेळी तुम्ही तीर्थ यात्राही करत रहाल. सामान्य प्रवास व्यापारी दृष्टीकोनातून होईल.

परदेश यात्राही तुम्हाला घडेल. त्यामुळे तुमचे भविष्य उज्वल होईल. परदेशात पुष्कळ दिवस रहाण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे सुख ऐश्वर्य आणि वैभव संपन्न यानी तुम्ही परीपूर्ण असाल. व पुढचे जीवन आनंदमय जाईल.